

Money and Banking

Money is the commonly accepted medium of exchange. In an economy which consists of only one individual there cannot be any exchange of commodities and hence there is no role for money. Even if there is more than one individual but these individuals do not take part in market transactions, example: family living on an isolated island, money has no function for them.

मुद्रा विनिमय का एक सर्वमान्य माध्यम है। ऐसी अर्थव्यवस्था, जो व्यक्ति विशेष से बनी हो, उसमें वस्तुओं का कोई विनिमय नहीं हो सकता और इसलिए वहां मुद्रा की कोई भूमिका नहीं होती है। एक से ज्यादा व्यक्ति होने पर भी अगर वे बाज़ार के संव्यवहार में भाग नहीं लेते हैं, जैसे कि किसी टापू पर कोई एक परिवार रहता हो, तो वहां मुद्रा का कोई कार्य नहीं होता है।

Money and Banking

However, as soon as there is more than one economic agent who engage themselves in transactions through the market, money becomes an important instrument for facilitating these exchanges. Economic exchanges without the mediation of money are referred to as barter exchanges.

किंतु जैसे ही एक से अधिक आर्थिक एजेंट बाज़ार के माध्यम से संव्यवहार शुरू करते हैं, मुद्रा विनिमय को सुविधाजनक बनाने का एक महत्वपूर्ण साधन बन जाती है। मुद्रा के माध्यम के बिना आर्थिक विनिमय को वस्तु विनिमय कहा जाता है।

Money and Banking

Barter system – Barter is a system of exchange by which goods or services are directly exchanged for other goods or services without using a medium of exchange such as money.

Money and Banking

Thus, to smoothen the transaction, an intermediate good is necessary which is acceptable to both parties. Such a good is called money. The individuals can then sell their produces for money and use this money to purchase the commodities they need.

इसलिए एक मध्यवर्ती वस्तु का होना बहुत ज़रूरी है, जिससे लेन-देन को सरल बनाया जा सके और जो दोनों पक्ष द्वारा स्वीकार्य हो। ऐसी वस्तु को मुद्रा कहते हैं। एक व्यक्ति अपने उत्पादित वस्तु को मुद्रा के बदले बेचकर इसका उपयोग अपनी ज़रूरत की वस्तु को खरीदने में कर सकता है।

Money and Banking

Though facilitation of exchanges is considered to be the principal role of money, it serves other purposes as well. Following are the main functions of money in a modern economy.

यद्यपि मुद्रा की मुख्य भूमिका विनिमय को सुगम बनाना है, किंतु यह अन्य उद्देश्यों की पूर्ति में भी सहायक होता है।
आधुनिक अर्थव्यवस्था में मुद्रा के निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण कार्य हैं।

Money and Banking

❑ FUNCTIONS OF MONEY

As explained above, the first and foremost role of money is that it acts as a medium of exchange.

❑ मुद्रा के कार्य

जैसा कि ऊपर वर्णित है, मुद्रा की सर्वप्रथम भूमिका यह है कि वह विनिमय के माध्यम के रूप में कार्य करती है।

Money and Banking

Money also acts as a convenient unit of account. The value of all goods and services can be expressed in monetary units. When we say that the value of a certain wristwatch is Rs 500 we mean that the wristwatch can be exchanged for 500 units of money,

मुद्रा सुविधाजनक लेखा की एक इकाई के रूप में भी कार्य करती है। सभी वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य मौद्रिक इकाई के रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है। जब हम कहते हैं कि एक कलाई घड़ी का मूल्य 500 रुपये है, तो इसका मतलब है कि कलाई घड़ी का विनिमय मुद्रा की 500 इकाइयों से की जा सकती है

Money and Banking

A barter system has other deficiencies. It is difficult to carry forward one's wealth under the barter system. Suppose you have an endowment of rice which you do not wish to consume today entirely.

वस्तु विनिमय प्रणाली की अन्य खामियां भी हैं। वस्तु विनिमय प्रणाली में किसी व्यक्ति की संपत्ति को आगे के लिए बनाए रखना कठिन है। मान लीजिए कि आपके पास चावल का एन्डोउमेंट है, जिसका आप आज ही पूर्णरूपेण उपभोग नहीं करना चाहते हैं।

Money and Banking

You may regard this stock of surplus rice as an asset which you may wish to consume, or even sell off, for acquiring other commodities at some future date. But rice is a perishable item and cannot be stored beyond a certain period. Also, holding the stock of rice requires a lot of space..

आप चावल के इस आधिक्य स्टॉक को भविष्य में दूसरी आवश्यक वस्तुओं की प्राप्ति के लिए अथवा परिसंपत्ति के रूप में संचित रखना चाहते हैं। लेकिन चावल एक शीघ्रनाशी वस्तु है, जिसे आप एक निश्चित समय से अधिक दिनों तक संचित नहीं रख सकते हैं और इसे संचित करने के लिए बहुत जगह की भी आवश्यकता होती है।

Money and Banking

You may have to spend considerable time and resources looking for people with a demand for rice when you wish to exchange your stock for buying other commodities. This problem can be solved if you sell your rice for money.

इसके अलावा सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जब आप अपने संचित चावल के बदले दूसरी ज़रूरत की वस्तु खरीदना चाहेंगे, तो आपको बहुत समय और साधन दोनों ऐसे ज़रूरतमंद व्यक्तियों की खोज में लगाना पड़ेगा, जिन्हें आपकी ज़रूरत की वस्तु के बदले चावल की आवश्यकता है। इस समस्या का समाधान हो सकता है, यदि आप चावल को मुद्रा के लिए बेचते हैं।

Money and Banking

Money is not perishable and its storage costs are also considerably lower. It is also acceptable to anyone at any point of time. Thus money can act as a store of value for individuals. Wealth can be stored in the form of money for future use.

मुद्रा नाशवान वस्तु नहीं है और इसकी संचय लागत अत्यंत कम होती है। मुद्रा किसी भी व्यक्ति द्वारा किसी भी समय ग्रहण करने योग्य होती है। अतः मुद्रा व्यक्तियों के लिए मूल्य संचय का काम करती है। भविष्य के लिए धन का संचय मुद्रा के रूप में किया जा सकता है।

Money and Banking

However, to perform this function well, the value of money must be sufficiently stable. A rising price level may erode the purchasing power of money.

किंतु इस कार्य के कुशलतापूर्वक निष्पादन के लिए मुद्रा के मूल्य में पर्याप्त स्थायित्व होना आवश्यक है। कीमतों का स्तर बढ़ते जाने से मुद्रा की क्रय-शक्ति घटती जाती है।

Money and Banking

It may be noted that any asset other than money can also act as a store of value, e.g. gold, landed property, houses or even bonds (to be introduced shortly).

However, they may not be easily convertible to other commodities and do not have universal acceptability.

ध्यातव्य है कि मुद्रा के अतिरिक्त अन्य परिसंपत्ति भी मूल्य संचय का कार्य कर सकती है। जैसे – सोना, संपत्ति, भू-संपत्ति, मकान और बंधपत्र (शीघ्र ही इसके बारे में जानकारी मिलेगी)। परंतु, ये संपत्तियां दूसरी वस्तु के रूप में आसानी से परिवर्तनीय नहीं भी हो सकती हैं और इनकी सार्वभौमिक स्वीकार्यता नहीं होगी।

Money and Banking

It may be noted that any asset other than money can also act as a store of value, e.g. gold, landed property, houses or even bonds (to be introduced shortly).

However, they may not be easily convertible to other commodities and do not have universal acceptability.

ध्यातव्य है कि मुद्रा के अतिरिक्त अन्य परिसंपत्ति भी मूल्य संचय का कार्य कर सकती है। जैसे – सोना, संपत्ति, भू-संपत्ति, मकान और बंधपत्र (शीघ्र ही इसके बारे में जानकारी मिलेगी)। परंतु, ये संपत्तियां दूसरी वस्तु के रूप में आसानी से परिवर्तनीय नहीं भी हो सकती हैं और इनकी सार्वभौमिक स्वीकार्यता नहीं होगी।

Money and Banking

□ Demand for Money

Money is the most liquid of all assets in the sense that it is universally acceptable and hence can be exchanged for other commodities very easily. On the other hand, it has an opportunity cost. If, instead of holding on to a certain cash balance, you put the money in a fixed deposits in some bank you can earn interest on that money.

□ धन की माँग

धन इस मायने में सभी संपत्तियों का सबसे तरल है कि यह सार्वभौमिक रूप से स्वीकार्य है और इसलिए अन्य वस्तुओं के लिए बहुत आसानी से आदान-प्रदान किया जा सकता है। दूसरी ओर, यह एक अवसर लागत है। यदि, एक निश्चित नकदी शेष पर रखने के बजाय, आप पैसे को किसी बैंक में सावधि जमा में डालते हैं तो आप उस पैसे पर ब्याज कमा सकते हैं।

Money and Banking

❑ The Transaction Motive

The principal motive for holding money is to carry out transactions. If you receive your income weekly and pay your bills on the first day of every week, you need not hold any cash balance throughout the rest of the week, you may as well ask your employer to deduct your expenses directly from your weekly salary and deposit the balance in your bank account.

❑ ट्रांजेक्शन मोटिव

पैसे रखने का मुख्य मकसद लेन-देन करना है। यदि आप अपनी आय साप्ताहिक प्राप्त करते हैं और प्रत्येक सप्ताह के पहले दिन अपने बिलों का भुगतान करते हैं, तो आपको सप्ताह के बाकी दिनों में कोई नकद शेष राशि रखने की आवश्यकता नहीं है, आप अपने नियोक्ता से अपने साप्ताहिक वेतन और जमा राशि से सीधे अपने खर्चों में कटौती करने के लिए कह सकते हैं। आपके बैंक खाते में शेष राशि।

Money and Banking

□ The Transaction Motive

But our expenditure patterns do not normally match our receipts.

□ ट्रांजेक्शन मोटिव

लेकिन हमारे व्यय पैटर्न सामान्य रूप से हमारी प्राप्तियों से मेल नहीं खाते हैं।

Money and Banking

Consider, next, a two – person economy consisting of two entities – a firm (owned by one person) and a worker. The firm pays the worker a salary of Rs 100 at the beginning of every month.

अगले, एक दो व्यक्ति अर्थव्यवस्था, जिसमें दो संस्थाएं शामिल हैं - एक फर्म (एक व्यक्ति के स्वामित्व में) और एक कार्यकर्ता। फर्म हर महीने की शुरुआत में श्रमिक को 100 रुपये का वेतन देती है।

Money and Banking

The worker, in turn, spends this income over the month on the output produced by the firm – the only good available in this economy! Thus at the beginning of each month the worker has a money balance of Rs 100 and the firm a balance of Rs 0.

श्रमिक, फर्म द्वारा उत्पादित आउटपुट पर महीने में इस आय को खर्च करता है - इस अर्थव्यवस्था में उपलब्ध एकमात्र अच्छा! इस प्रकार प्रत्येक महीने की शुरुआत में श्रमिक के पास 100 रुपये का धन शेष होता है और फर्म के पास 0 रुपये का शेष होता है।

Money and Banking

On the last day of the month the picture is reversed – the firm has gathered a balance of Rs 100 through its sales to the worker. The average money holding of the firm as well as the worker is equal to Rs 50 each.

महीने के अंतिम दिन तस्वीर को उल्टा कर दिया जाता है - फर्म ने श्रमिक को अपनी बिक्री के माध्यम से 100 रुपये का संतुलन इकट्ठा किया है। फर्म के साथ-साथ श्रमिक की औसत धनराशि 50 रु। के बराबर है।

Money and Banking

Thus the total transaction demand for money in this economy is equal to Rs 100. The total volume of monthly transactions in this economy is Rs 200 – the firm has sold its output worth Rs 100 to the worker and the latter has sold her services worth Rs 100 to the firm.

इस प्रकार इस अर्थव्यवस्था में पैसे की कुल माँग 100 रुपये के बराबर है। इस अर्थव्यवस्था में मासिक लेन-देन की कुल मात्रा 200 रुपये है - फर्म ने श्रमिक को अपना उत्पादन 100 रुपये में बेचा है और बाद वाले ने अपनी सेवाओं को रु। फर्म को 100 रु।

Money and Banking

The transaction demand for money of the economy is again a fraction of the total volume of transactions in the economy over the unit period of time.

अर्थव्यवस्था के पैसे की लेन-देन की मांग फिर से समय की इकाई अवधि में अर्थव्यवस्था में लेनदेन की कुल मात्रा का एक हिस्सा है।

Money and Banking

In general, therefore, the transaction demand for money

$$M_T^d$$

in an economy, , can be written in the following form

$$M_T^d = K.T$$

Money and Banking

Where T is the total value of (nominal) transactions in the economy over unit period and K is a positive fraction.

जहां T इकाई अवधि में अर्थव्यवस्था में (नाममात्र) लेनदेन का कुल मूल्य है और K एक सकारात्मक अंश है।

Money and Banking

The number of times a unit of money changes hands during the unit period is called the velocity of circulation of money. In the above example it is 2, inverse of half – the ratio of money balance and the value of transactions. Thus, in general, we may rewrite equation (3.1) in the following form.

$$\frac{1}{K} \cdot M_T^d = K.T, \text{ or } , v_T^d = T$$

यूनिट की अवधि के दौरान
पैसे की एक इकाई को
कितनी बार हाथ बदलते हैं,
इसे पैसे के संचलन का वेग
कहा जाता है। उपरोक्त
उदाहरण में यह 2 है, आधे का
उलटा - धन संतुलन का
अनुपात और लेनदेन का
मूल्य। इस प्रकार, सामान्य
तौर पर, हम निम्नलिखित रूप
में समीकरण (3.1) को फिर
से लिख सकते हैं।

$$\frac{1}{K} \cdot M_T^d = K.T, \text{ or } , v_T^d = T$$

Money and Banking

Where, $v = 1/K$ is the velocity of circulation. Note that the term on the right hand side of the above equation, T , is a flow variable whereas money demand, M^d , is a stock concept – it refers to the stock of money people are willing to hold at a particular point of time. The velocity of money, v , however, has a time dimension.

Money and Banking

We are ultimately interested in learning the relationship between the aggregate transaction demand for money of an economy and the (nominal) GDP in a given year.

हम अंततः एक अर्थव्यवस्था के पैसे के लिए कुल लेन-देन की मांग और दिए गए वर्ष में (नाममात्र) जीडीपी के बीच संबंध सीखने में रुचि रखते हैं।

Money and Banking

The total value of annual transactions in an economy includes transactions in all intermediate goods and services and is clearly much greater than the nominal GDP.

एक अर्थव्यवस्था में वार्षिक लेनदेन का कुल मूल्य सभी मध्यवर्ती वस्तुओं और सेवाओं में लेनदेन शामिल है और स्पष्ट रूप से नाममात्र जीडीपी से बहुत अधिक है।

Money and Banking

However, normally, there exists a stable, positive relationship between value of transactions and the nominal GDP.

हालांकि, आम तौर पर, लेनदेन के मूल्य और नाममात्र जीडीपी के बीच एक स्थिर, सकारात्मक संबंध मौजूद है।

Money and Banking

An increase in nominal GDP implies an increase in the total value of transactions and hence a greater transaction demand for money from equation (3.1). Thus, in general, equation (3.1) can be modified in the following way

$$M_T^d = kPY$$

Where Y is the real GDP and P is the general price level or the GDP deflator.

Money and Banking

□ The Speculative Motive

It follows that the price of a bond is inversely related to the market rate of interest.

□ सट्टा उद्देश्य प्रयोजन

अतः बंधपत्र की कीमत और ब्याज की बाज़ार दर में प्रतिलोम संबंध होता है।

Money and Banking

Different people have different expectations regarding the future movements in the market rate of interest based on their private information regarding the economy.

भिन्न-भिन्न लोगों की अर्थव्यवस्था के संबंध में अपनी निजी सूचना के आधार पर ब्याज की बाज़ार दर में भविष्य में होने वाले संचलन के संबंध में आशाएँ भिन्न-भिन्न हागी।

Money and Banking

If you think that the market rate of interest should eventually settle down to 8 per cent per annum, then you may consider the current rate of 5 per cent too low to be sustainable over time. You expect interest rate to rise and consequently bond prices to fall.

यदि आप सोचते हैं कि ब्याज की बाज़ार दर अकस्मात 8% वार्षिक पर स्थिर होती है, तो आप 5 प्रतिशत चालू के दर के बारे में विचार कर सकते हैं, जो धारणीय समयावधि में बहुत कम हैं। आप ब्याज दर में वृद्धि के बारे में आशा कर सकते हैं और परिणामतः बंधपत्र की कीमत गिर सकती है।

Money and Banking

If you are a bond holder a decrease in bond price means a loss to you – similar to a loss you would suffer if the value of a property held by you suddenly depreciates in the market.

यदि आप एक बंधपत्रकर्मी हैं तो बंधपत्र की कीमत में कमी का अर्थ है कि आपको हानि होगी, ठीक उसी तरह जैसे आपके द्वारा धारण की गई संपत्ति के मूल्य में अकस्मात बाज़ार में मूल्यहास के कारण आपको हानि होती है।

Money and Banking

Such a loss occurring from a falling bond price is called a capital loss to the bond holder. Under such circumstances, you will try to sell your bond and hold money instead. Thus speculations regarding future movements in interest rate and bond prices give rise to the speculative demand for money.

बंधपत्र की कीमत में गिरावट से हुई इस हानि को बंधपत्र धारी की पूँजी हानि कहते हैं। ऐसी परिस्थितियों में आप अपने बंधपत्र को बेचने का प्रयास करेंगे और उसके बदले मुद्रा धारण करेंगे। अतः ब्याज की दर और बंधपत्र की कीमत में भविष्य में होने वाले संचलन के संबंध में सट्टा के लिए मुद्रा की माँग में वृद्धि होती है।

Money and Banking

When the interest rate is very high everyone expects it to fall in future and hence anticipates capital gains from bond-holding. Hence people convert their money into bonds. Thus, speculative demand for money is low.

जब ब्याज की दर बहुत ऊँची हो तो हर कोई भविष्य में इसके गिरने की आशा करता है और इस प्रकार बंधपत्र धारण करने से पूँजीगत लाभ की आशा करता है। अतः लोग अपनी मुद्रा को बंधपत्र में बदल देते हैं। इस प्रकार सट्टा के लिए मुद्रा की माँग कम होगी।

Money and Banking

When interest rate comes down, more and more people expect it to rise in the future and anticipate capital loss. Thus they convert their bonds into money giving rise to a high speculative demand for money.

जब बाज़ार दर गिरती है, तो बहुसंख्यक लोग आशा करते हैं कि भविष्य में इसमें वृद्धि होगी और पूँजीगत हानि की आशा करते हैं। इस प्रकार, वे अपने बंधपत्र को मुद्रा में परिवर्तित करते हैं जिससे सट्टा के लिए मुद्रा की माँग में वृद्धि होती है।

Money and Banking

Hence speculative demand for money is inversely related to the rate of interest. Assuming a simple form, the speculative demand for money can be written as.

$$M_s^d = \frac{r_{\max} - r}{r - r_{\min}}$$

सट्टा के लिए मुद्रा की माँग और ब्याज की दर में व्युत्क्रम संबंध होता है। एक सरल रूप की कल्पना करने पर सट्टा के लिए मुद्रा की माँग को इस प्रकार लिखा जा सकता है।

$$M_s^d = \frac{r_{\max} - r}{r - r_{\min}}$$

Money and Banking

where r is the market rate of interest and r_{\max} and r_{\min} are the upper and lower limits of r , both positive constants. It is evident from the above equation that as r decreases from r_{\max} to r_{\min} , the value of

M_s^d

increases from 0 to ∞

जहाँ r ब्याज की बाज़ार दर और r_{\max} और r_{\min} उच्च और निम्न मान्यताएँ धनात्मक नियतांक हैं। समीकरण (3.4) से स्पष्ट है कि r में r_{\max} से r_{\min} तक में कमी होती है, M_s^d का मूल्य शून्य से अनंत तक बढ़ता है।

Money and Banking

As mentioned earlier , interest rate can be thought of as an opportunity cost or 'price' of holding money balance. If supply of money in the economy increases and people purchase bonds with this extra money, demand for bonds will go up, bond prices will rise and rate of interest will decline.

जैसाकि पूर्वोलिखित है कि ब्याज की दर को धारित मुद्रा अधिशेष का अवसर लागत अथवा कीमत के रूप में समझा जा सकता है। यदि अर्थव्यवस्था में मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि होती है और लोग बंधपत्र खरीदते हैं, तो बंधपत्र के लिए मुद्रा की इस अतिरिक्त माँग में वृद्धि होगी, जिससे बंधपत्र की कीमत बढ़गी और ब्याज की दर में गिरावट आएगी।

Money and Banking

In other words, with an increased supply of money in the economy the price you have to pay for holding money balance, viz. the rate of interest, should come down.

दूसरे शब्दों में, अर्थव्यवस्था में मुद्रा की बढ़ी हुई पूर्ति से अधिशेष मुद्रा धारित करने के लिए आपको एक कीमत चुकानी पड़ेगी, अर्थात् ब्याज की दर में कमी आएगी।

Money and Banking

if additional money is injected within the economy it will be used up to satiate people's craving for money balances without increasing the demand for bonds and without further lowering the rate of interest below the floor r_{\min} . Such a situation is called a liquidity trap. The speculative money demand function is infinitely elastic here

यदि अर्थव्यवस्था में अतिरिक्त मुद्रा इंजेक्ट की जाती है, तो इसका उपयोग बंधपत्र की माँग में वृद्धि और पुनः r_{\min} स्तर से नीचे ब्याज की दर में कमी के बिना, मुद्रा अधिशेष के लिए लोगों की लालच को परितृप्त करने में इसका उपयोग किया जाएगा। ऐसी स्थिति को तरलता पाश कहते हैं। सट्टा के लिए मुद्रा की माँग फलन यहाँ अनंत लोचदार है।

Money and Banking

In Fig. 3.1 the speculative demand for money is plotted on the horizontal axis and the rate of interest on the vertical axis. When $r = r_{\max}$, speculative demand for money is zero.

रेखाचित्र 3.1 में सट्टा के लिए मुद्रा की माँग को समस्तरीय अक्ष पर और ब्याज की दर को उर्ध्व-अक्ष पर अंकित किया गया है। जब $r = r_{\max}$, तो सट्टा के लिए मुद्रा की माँग शून्य है।

Money and Banking

❑ THE SUPPLY OF MONEY

In a modern economy money consists mainly of currency notes and coins issued by the monetary authority of the country. In India currency notes are issued by the Reserve Bank of India (RBI), which is the monetary authority in India.

❑ मुद्रा की पूर्ति

आधुनिक अर्थव्यवस्था में मुद्रा के अंतर्गत मुख्य रूप से देश के मौद्रिक प्राधिकरण द्वारा जारी करेंसी, नोट और सिक्के आते हैं। भारत में करेंसी नोट भारतीय रिज़र्व बैंक जारी करता है जो कि भारत का मौद्रिक प्राधिकरण है।

Money and Banking

However, coins are issued by the Government of India. Apart from currency notes and coins, the balance in savings, or current account deposits, held by the public in commercial banks is also considered money since cheques drawn on these accounts are used to settle transactions.

किंतु सिक्के भारत सरकार द्वारा जारी किये जाते हैं। करेंसी नोट और सिक्कों के अतिरिक्त, व्यावसायिक बैंकों में लोगों द्वारा जमा किये गए बचत खाते और चालू खाते को भी मुद्रा कहा जाता है, क्योंकि इन खातों से आहरित चेकों का उपयोग संव्यवहार के लिए किया जाता है।

Money and Banking

Such deposits are called demand deposits as they are payable by the bank on demand from the account-holder. Other deposits, e.g. fixed deposits, have a fixed period to maturity and are referred to as time deposits

एसी जमा को माँग जमा कहते हैं, जो खाताधारी की माँग पर बैंक द्वारा भुगतान योग्य होता है। अन्य जमा, जैसे आवधि जमा की परिपक्वता की अवधि निश्चित होती है और इसे आवधिक जमा कहा जाता है।

Money and Banking

Legal Definitions: Narrow and Broad Money

Money supply, like money demand, is a stock variable. The total stock of money in circulation among the public at a particular point of time is called money supply.

वैध परिभाषाएँ: संकुचित और व्यापक मुद्रा

मुद्रा की माँग की तरह, मुद्रा की पूर्ति एक स्टॉक परिवर्त होती है। एक निश्चित समय में लोगों में संचरण करने वाली कुल मुद्रा को मुद्रा की पूर्ति कहते हैं।

Money and Banking

RBI publishes figures for four alternative measures of money supply, viz. M1, M2, M3 and M4. They are defined as follows

भारतीय रिज़र्व बैंक मुद्रा की पूर्ति के वैकल्पिक मापों को चार रूपों में प्रकाशित करता है, नामतः **M1, M2, M3 और M4**। ये सभी निम्नलिखित तरह से परिभाषित किये जाते हैं—

Money and Banking

$$M1 = CU + DD$$

M2 = M1 + Savings deposits with Post Office savings banks
M3 = M1 + Net time deposits of commercial banks

M4 = M3 + Total deposits with Post Office savings organisations (excluding National Savings Certificates)

$$M1 = CU + DD$$

M2 = M1 डाकघर बचत बैंकों में बचत जमाएँ

M3 = M1 + व्यावसायिक बैंकों की निवल आवधिक जमाएँ

M4 = M3 + डाकघर बचत संस्थाओं में कुल जमाएँ (राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों को छोड़कर)

Money and Banking

where, **CU** is currency (notes plus coins) held by the public and **DD** is net demand deposits held by commercial banks. The word 'net' implies that only deposits of the public held by the banks are to be included in money supply.

यहाँ, **CU** लोगों द्वारा रखी गई करेंसी (नोट और सिक्के) हैं और **DD** व्यावसायिक बैंकों द्वारा रखी गयी निवल माँग जमा है। 'निवल' शब्द से बैंक के द्वारा रखी गयी लोगों की जमा का ही बोध होता है और इसलिए यह मुद्रा की पूर्ति में शामिल हैं।

Money and Banking

The interbank deposits, which a commercial bank holds in other commercial banks, are not to be regarded as part of money supply.

अंतर बैंक जमा, जो एक व्यावसायिक बैंक दूसरे व्यावसायिक बैंक में रखते हैं, को मुद्रा की पूर्ति के भाग के रूप में नहीं जाना जाता है।

Money and Banking

M1 and M2 are known as narrow money. M3 and M4 are known as broad money. These measures are in decreasing order of liquidity.

M1 और M2 संकुचित मुद्रा कहलाती है। M3 और M4 को व्यापक मुद्रा कहते हैं। ये कोटियां तरलता के घटते हुए क्रम में होती हैं।

Money and Banking

M1 is most liquid and easiest for transactions whereas M4 is least liquid of all. M3 is the most commonly used measure of money supply. It is also known as aggregate monetary resources .

M1 संव्यवहार के लिए सबसे तरल और आसान है, जबकि **M4** इनमें सबसे कम तरल है। **M3** मुद्रा पूर्ति की माप का सबसे साधारण रूप है। इसे समस्त मौद्रिक संसाधन भी कहते हैं।

Money and Banking

❑ Money Creation by the Banking System

In this section we shall explore the determinants of money supply. Money supply will change if the value of any of its components such as CU, DD or Time Deposits changes.

❑ बैंकिंग प्रणाली द्वारा मनी क्रिएशन

इस खंड में हम मुद्रा आपूर्ति के निर्धारकों का पता लगाएंगे। अगर इसके किसी भी घटक जैसे CU, DD या Time Deposits का मूल्य बदल जाता है तो मुद्रा आपूर्ति बदल जाएगी।

Money and Banking

In what follows we shall, for simplicity, use the most liquid definition of money, viz. $M1 + CU + DD$, as the measure of money supply in the economy. Various actions of the monetary authority, RBI , and commercial banks are responsible for changes in the values of these items.

सरलता के लिए, हम पैसे का सबसे अधिक तरल परिभाषा का उपयोग करते हैं। $M1 + CU + DD$, अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति के माप के रूप में। मौद्रिक प्राधिकरण, RBI और वाणिज्यिक बैंकों की विभिन्न क्रियाएं इन वस्तुओं के मूल्यों में परिवर्तन के लिए जिम्मेदार हैं।

Money and Banking

❑ The Currency Deposit Ratio

The currency deposit ratio (cdr) is the ratio of money held by the public in currency to that they hold in bank deposits. $Cdr = CU/DD$.

❑ मुद्रा जमा अनुपात

मुद्रा जमा अनुपात (सीडीआर) मुद्रा में जनता द्वारा रखे गए धन का अनुपात है जो वे बैंक जमाओं में रखते हैं। $सीडीआर = सीयू / डीडी$ ।

Money and Banking

If a person gets Re 1 she will put Rs $1 / (1 + cdr)$ in her bank account and keep Rs $cdr / (1 + cdr)$ in cash. It reflects people's preference for liquidity.

अगर किसी व्यक्ति को Re 1 मिलता है, तो वह अपने बैंक खाते में $1 / (1 + cdr)$ डालेगा और $cdr / (1 + cdr)$ नकद में रखेगा। यह तरलता के लिए लोगों की पसंद को दर्शाता है।

Money and Banking

□ The Reserve Deposit Ratio

Banks hold a part of the money people keep in their bank deposits as reserve money and loan out the rest to various investment projects.

□ रिजर्व जमा अनुपात

बैंक अपने बैंक डिपॉजिट में उन लोगों का पैसा रखते हैं जो रिजर्व मनी के रूप में रखते हैं और बाकी निवेश परियोजनाओं को कर्ज देते हैं।

Money and Banking

Reserve money consists of two things – vault cash in banks and deposits of commercial banks with RBI. Banks use this reserve to meet the demand for cash by account holders.

रिजर्व मनी में दो चीजें होती हैं- बैंकों में वॉल्ट कैश और आरबीआई के साथ कमर्शियल बैंकों का डिपॉजिट। खाताधारकों द्वारा नकदी की मांग को पूरा करने के लिए बैंक इस रिजर्व का उपयोग करते हैं।

Money and Banking

RBI requires commercial banks to keep reserves in order to ensure that banks have a safe cushion of assets to draw on when account holders want to be paid.

आरबीआई को यह सुनिश्चित करने के लिए वाणिज्यिक बैंकों की आवश्यकता है कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि खाताधारकों को भुगतान करने के लिए बैंकों के पास एक सुरक्षित गद्दी हो।

Money and Banking

RBI uses various policy instruments to bring forth a healthy rdr in commercial banks. The first instrument is the Cash Reserve Ratio which specifies the fraction of their deposits that banks must keep with RBI.

RBI वाणिज्यिक बैंकों में स्वस्थ rdr को आगे लाने के लिए विभिन्न नीतिगत साधनों का उपयोग करता है। पहला साधन कैश रिज़र्व रेशो है जो उनकी जमा राशि के अंश को निर्दिष्ट करता है जो बैंकों को RBI के पास रखना चाहिए।

Money and Banking

There is another tool called Statutory Liquidity Ratio which requires the banks to maintain a given fraction of their total demand and time of deposits in the form of specified liquid assets.

एक अन्य उपकरण है, जिसे वैधानिक तरलता अनुपात कहा जाता है, जिसके लिए बैंकों को निर्दिष्ट तरल परिसंपत्तियों के रूप में अपनी कुल मांग और जमा के समय का एक निश्चित अंश बनाए रखना पड़ता है।

Money and Banking

Apart from these ratios RBI uses a certain interest rate called the Bank Rate to control the value of r_{dr} . Commercial banks can borrow money from RBI at the bank rate when they run short of reserves.

इन अनुपातों के अलावा, RBI r_{dr} के मूल्य को नियंत्रित करने के लिए बैंक दर नामक एक निश्चित ब्याज दर का उपयोग करता है। वाणिज्यिक बैंक आरबीआई से बैंक दर पर धन उधार ले सकते हैं जब वे भंडार से कम चलेंगे।

Money and Banking

A high bank rate makes such borrowing from RBI costly and, in effect, encourages the commercial banks to maintain a healthy rdr.

एक उच्च बैंक दर RBI से इस तरह की उधारी को महंगा बनाती है और वास्तव में, वाणिज्यिक बैंकों को एक स्वस्थ आरडीआर बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करती है।

Money and Banking

❑ Commercial Bank

Commercial banks are the other type of institutions which are a part of the money-creating system of the economy. In the following section we look at the commercial banking system in detail.

❑ व्यावसायिक बैंक

वाणिज्यिक बैंक अन्य प्रकार के संस्थान हैं जो अर्थव्यवस्था के पैसे बनाने की प्रणाली का एक हिस्सा हैं। निम्नलिखित अनुभाग में हम वाणिज्यिक बैंकिंग प्रणाली को विस्तार से देखते हैं।

Money and Banking

They accept deposits from the public and lend out part of these funds to those who want to borrow. The interest rate paid by the banks to depositors is lower than the rate charged from the borrowers. This difference between these two types of interest rates, called the 'spread' is the profit appropriated by the bank.

वे जनता से जमा स्वीकार करते हैं और जो लोग उधार लेना चाहते हैं, उन्हें इन फंडों का हिस्सा उधार देते हैं। बैंकों द्वारा जमाकर्ताओं को दी जाने वाली ब्याज दर उधारकर्ताओं से वसूल की गई दर से कम है। इन दोनों प्रकार की ब्याज दरों के बीच का अंतर, जिसे 'प्रसार' कहा जाता है, बैंक द्वारा विनियोजित लाभ है।

Money and Banking

❑ Instruments of Monetary Policy and the Reserve Bank of India

1. Repo rate
2. Reverse repo rate
3. Cash reserve ratio
4. Statutory liquidity ratio
5. Marginal standard facility

Note : This role of the monetary authority is known as the lender of last resort.

- a) Bank rate
- b) Base rate

❑ मुद्रा नीति और भारतीय रिजर्व बैंक के साधन

1. रेपो दर
2. रिवर्स रेपो रेट
3. नकद आरक्षित अनुपात
4. वैधानिक तरलता अनुपात
5. सीमांत मानक सुविधा

नोट: मौद्रिक प्राधिकरण की इस भूमिका को अंतिम उपाय के ऋणदाता के रूप में जाना जाता है।

- a) बैंक दर
- b) आधार दर

Money and Banking

❑ Open Market Operation

Another important tool by which the RBI also influences money supply is Open Market Operations. Open Market Operations refers to buying and selling of bonds issued by the Government in the open market.

❑ मार्केट ऑपरेशन खोलें

एक अन्य महत्वपूर्ण उपकरण जिसके द्वारा RBI पैसे की आपूर्ति को प्रभावित करता है, वह है ओपन मार्केट ऑपरेशंस। ओपन मार्केट ऑपरेशंस का मतलब सरकार द्वारा खुले बाजार में जारी किए गए बॉन्ड की खरीद-बिक्री करना है।

Money and Banking

❑ Open Market Operation

This purchase and sale is entrusted to the Central bank on behalf of the Government. When RBI buys a Government bond in the open market, it pays for it by giving a cheque.

❑ मार्केट ऑपरेशन खोलें

यह खरीद और बिक्री सरकार की ओर से केंद्रीय बैंक को सौंपी जाती है। जब RBI खुले बाजार में सरकारी बॉन्ड खरीदता है, तो वह इसके लिए चेक देकर भुगतान करता है।

Money and Banking

❑ Open Market Operation

This cheque increases the total amount of reserves in the economy and thus increases the money supply. Selling of a bond by RBI (to private individuals or institutions) leads to reduction in quantity of reserves and hence the money supply.

❑ मार्केट ऑपरेशन खोलें

यह चेक अर्थव्यवस्था में भंडार की कुल राशि को बढ़ाता है और इस तरह धन की आपूर्ति को बढ़ाता है। RBI (निजी व्यक्तियों या संस्थानों को) द्वारा बॉन्ड बेचने से भंडार की मात्रा में कमी आती है और इसलिए धन की आपूर्ति होती है।

Money and Banking

□ Varying Reserve Requirements

Cash Reserve Ratio (CRR) and Statutory Liquidity Ratio (SLR) also work through the rdr-route. A high (or low) value of CRR or SLR helps increase (or decrease) the value of reserve deposit ratio, thus diminishing (or increasing) the value of the money multiplier and money supply in the economy in a similar fashion.

□ आरक्षित आवश्यकताओं की भिन्नता

कैश रिजर्व रेशियो (CRR) और वैधानिक तरलता अनुपात (SLR) भी rdr-path के माध्यम से काम करते हैं। सीआरआर या एसएलआर का एक उच्च (या निम्न) मूल्य आरक्षित जमा अनुपात के मूल्य को बढ़ाने (या कम करने) में मदद करता है, इस प्रकार अर्थव्यवस्था में मनी मल्टीप्लायर और मनी सप्लाई का मूल्य इसी तरह कम हो जाता है।

Money and Banking

❑ Demonetisation

Demonetisation was a new initiative taken by the Government of India in November 2016 to tackle the problem of corruption, black money, terrorism and circulation of fake currency in the economy.

❑ नोटबंदी

नवंबर 2016 में भारत सरकार द्वारा भ्रष्टाचार, काले धन, आतंकवाद और अर्थव्यवस्था में नकली मुद्रा के प्रचलन से निपटने के लिए एक नई पहल की गई।

Money and Banking

❑ Demonetisation

Old currency notes of Rs 500, and Rs 1000 were no longer legal tender. New currency notes in the denomination of Rs 500 and Rs 2000 were launched.

❑ नोटबंदी

500 रुपये और 1000 रुपये के पुराने करेंसी नोट अब लीगल टेंडर नहीं थे। 500 और 2000 रुपये के मूल्यवर्ग में नए करेंसी नोट लॉन्च किए गए।

Money and Banking

❑ Demonetisation

The public were advised to deposit old currency notes in their bank account till 31 December 2016 without any declaration and upto 31 March 2017 with the RBI with declaration

❑ नोटबंदी

जनता को बिना किसी घोषणा के 31 दिसंबर 2016 तक अपने बैंक खाते में पुराने करेंसी नोट जमा करने की सलाह दी गई और घोषणा के साथ आरबीआई के पास 31 मार्च 2017 तक

Money and Banking

❑ Sterilisation

RBI will undertake an open market sale of government securities of an amount equal to the amount of foreign exchange inflow in the economy, thereby keeping the stock of high powered money and total money supply unchanged. Thus it sterilises the economy against adverse external shocks. This operation of RBI is known as sterilisation.

❑ बंध्याकरण

RBI अर्थव्यवस्था में विदेशी मुद्रा प्रवाह की मात्रा के बराबर सरकारी प्रतिभूतियों की खुली बाजार में बिक्री करेगा, जिससे उच्च शक्ति वाले धन और कुल धन आपूर्ति का भंडार अपरिवर्तित रहेगा। इस प्रकार यह प्रतिकूल बाहरी झटके के खिलाफ अर्थव्यवस्था को निष्फल करता है। RBI के इस ऑपरेशन को बंध्याकरण के नाम से जाना जाता है।

Money and Banking

❑ Key Concepts

Barter exchange

Money

Unit of account

Transaction demand

Bonds

Rate of interest

Liquidity trap

Legal tender

Broad money

Currency deposit ratio

High powered money

**Lender of last resort
borrowing**

Open market operation

Cash Reserve Ratio (CRR)

Sterilisation

Double coincidence of wants

Medium of exchange

Store of value

Speculative demand

Present value

Capital gain or loss

Flat money

Narrow money

Aggregate monetary resources

Reserve deposit ratio

Money multiplier

Deficit financing through central bank

Bank Rate

Statutory Liquidity Ratio (SLR)